

16 महाजनपद

Trick : हशिन मशुक साह

हर्यक वंश

1. बिम्बिसार-
 - राजगीर
 - विवाह
 - आवन्ति (जीवक)
 - वैशाली ×
2. अजातशत्रु-
 - राजगीर किला
 - वैशाली (वर्गाकार)

3. उदायिन = पाटलिपुत्र

4. नागदशक = शिशुनाग



शिशुनाग वंश

1. शिशुनाग = राजधानी = वैशाली
2. कालाशोक = पटना
3. नदीवर्मन = महापदमनंद

नंद वंश

1. महापदमनंद = कलिंग
= राजपूत × सर्वक्षत्रांतक
2. धनानंद = चाणक्य → चन्द्रगुप्त मौर्य

विदेशी आक्रमण

- डेलियस (इरान = हखमनी)
- सिंकदर -
 - पानी = रोक्सोन ← पिता = फिलिफ
 - घोड़ा = बुके ← देश = मकदूनिया
- 326 BC झेलम = हाइडेस्पीज / वितस्ता = पोरस
- 323 BC — बेबीलोन (मृत्यु)

मौर्य वंश

1. चन्द्रगुप्त मौर्य

- = चाणक्य
- सेल्युकस (कार्नेलिया)
- मेगस्थनीज (Indica)
- सेन्ट्रोकोटस (जस्टिन)
- साहगौर (तांबा) = अकाल
- भद्रबाहू जैन (298 BC)
- मृत्यु (श्रवणवेलगोला कर्नाटक)
- = अर्थशास्त्र (राजनीति) 15 = सप्तांग

चाणक्य

2. बिन्दुसार (अमित्रघात)

- = आजीवक
- = सिरिया नेसर
- = डाइमेकस (शराब)
- = जम्मू-कश्मीर विद्रोह
- = जम्मू - कश्मीर विद्रोह
- = 269 BC (राजा)
- 261BC (8वें) कलिंग
- निग्रोथ = प्रेरणा
- उपगुप्त = शिक्षा
- महेन्द्र + संघमित्रा = श्रीलंका
- 10 → गया
- 20 → लुम्बनी

3. अशोक

शिलालेख

- 1. अहिंसा
- 2. चिकित्सा (द. भारत = चेर + पाण्ड + श्रीलंका), चोल x
- 3. अधिक
- 4. भैरीघोष - धम्म घोष
- 5. धम्म महामात्र
- 7. सबसे बड़ा
- 8. धम्म यात्रा (10वें गया)
- 12. Female स्त्री°
- 13. कलिंग

अभिलेख की प्रेरणा - डेरियस

अभिलेख पढ़ा - जेन्स प्रिन्सेस

लिपी- ब्राह्मणी, खरोष्ठी, आरमाइक, ग्रीक

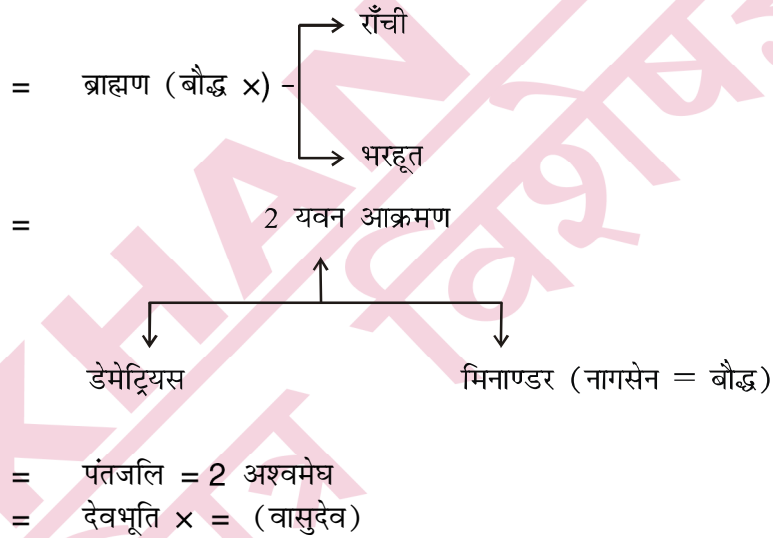
- नाम = प्रियदर्शी
- गुर्जरा (MP) = अशोक
- मास्की (Kr) = अशोक
- भब्रू (Raj) = सम्राट (रत्न)
- रूमनदेई (Nepal) = छोटा
- कौशाम्बी = पत्नी (अकबर - इलाहाबाद)
- टोपरा + मेरठ = F.S.T. (Delhi)
- रामपूर्वा + लौरिया = चम्पारण

→ अंतिम शासक - बृहद्रथ

शुंग वंश

1. पुष्यमित्र शुंग

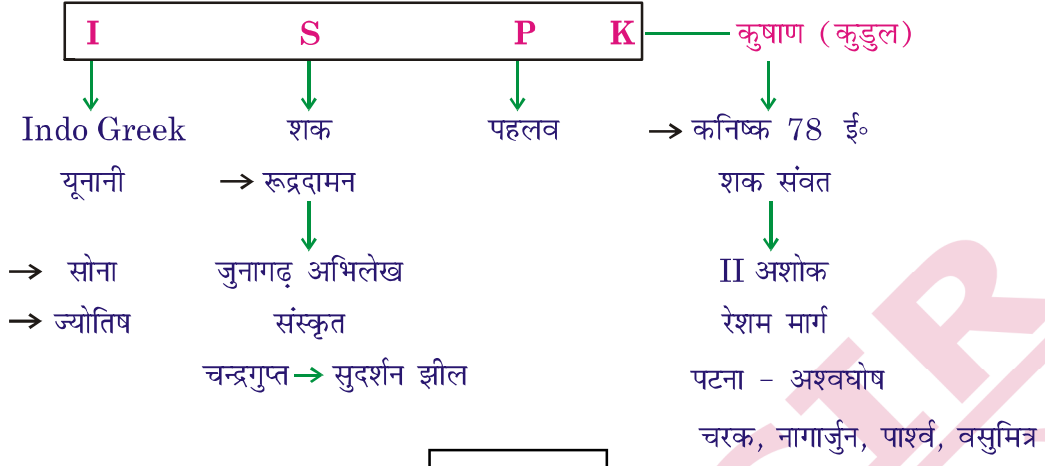
= गैर क्षत्रीय
= पटना + विदिशा



कण्ववंश = वासुदेव

सातवाहन

1. सिमुक = MH + AP
2. G.P.S. = नहपान x
3. B.B.P. = रुद्रदामन
- ब्राह्मणों = भू-दान
- सामंती = वेतन x
- मातृसत्तात्मक
- सीसा का सिक्का



गुप्त वंश

- ये कुषाण शासक के सामंत थे
संस्थापक = श्री गुप्त
- वास्तविक संस्थापक = चंद्रगुप्त -II

- समुद्रगुप्त -
 - लिच्छवी दौहित
 - नोपोलियन
 - धरणीय वंश, कविराज
 - छोड़ा 3 सागर का पानी
 - प्रयाग प्रसस्ती अभिलेख
 - मयूर शैली का सिक्का
 - सिक्कों पर सैनिक भेसभूसा
 - विष्णु वादक

- चन्द्रगुप्त - II -
 - शकों का अन्त
 - विक्रमादित्य की उपाधि
 - चाँदी का सिक्का
 - न्याय का सिंहासन
 - संस्कृत भाषा के नवरत्न
 - कालीदास, अमरदास, वराहमीर, धनवंतरी
 - फाह्यान (फो-क्यू-की)

→ कुमार गुप्त → नालन्दा विश्वविद्यालय (महायान का Oxford)

Note : हुण्डों के आक्रमण से गुप्त शासकों का अन्त हो गया।

→ गुप्तकाल के समय = अजंता की गुफा, बाघ की गुफा, बामियान बुद्ध मूर्ति (अफगान)

राजा	कार्य	राज्यपाल
चन्द्रगुप्त मौर्य	निर्माण	पुष्यमित्र वैश्य
अशोक	जीर्णोद्धार	तुसास्प
रुद्रदामन	जीर्णोद्धार	सुविशाख
स्कंदगुप्त	जीर्णोद्धार	पर्णदस्त

→ वर्धन / पुष्यभूति वंश

→ संस्थापक = पुष्यभूति वर्धन

→ प्रतापी शासक = हर्षवर्धन

→ राजधानी → कन्नौज

→ हर्षवर्धन के दरबारी कवि = वाणभट्ट (कादम्बरी + हर्षचरित्र)

→ हर्षवर्धन के दरबार में ह्वेनसांग आया (सी-यू-की) यह नालन्दा में Student + Teacher दोनों था।

→ हर्षवर्धन को द. भारत के पुलकेशीन -II ने पराजित कर दिया।

दक्षीण भारत 100 – 300 (संगम काल)

चेर (मालावार) – कारु – धनुष – गन्ना

चोल (कोरेमण्डल) – ऊरुऊर – बाघ – करिकाल राजा

पाण्ड (द० भारत) – मदुरई – मच्छली, मिनाक्षी मंदिर

